CMYK

fb/seemasandesh1951 seemasandesh1951@gmail.com 0141-2700113

सीमा सन्देश

वर्ष : 32 अंक : 69 मूल्य : रु. 2.00 पृष्ठ : 08 जयपुर, शुक्रवार, 09 सितम्बर, 2022

CMYK

भरतपुर, दौसा, धौलपुर, अलवर, सवाईमाधोपुर संदेश

सीमा सन्देश जयपुर, शुक्रवार 09 सितम्बर 2022 06

हिंदी की भांति अपने जीवन को भी सरल और समावेशी बनाएं: डॉ. पंचारिया

पिलानी (सीमा सन्देश सं)। सीएसआईआर-सीरी पिलानी में बुधवार को हिंदी सप्ताह का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हिंदी न केवल हमारी राजभाषा है अपितु पूरे देश की सर्वमान्य संपर्क भाषा भी है। विगत कुछ समय से देश-विदेश में हिंदी का उपयोग और प्रतिष्ठा बढ़ी है।

हिंदी की समावेशी प्रकृति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हिंदी ने अन्य भारतीय भाषाओं के शब्दों को स्वीकार कर अपना प्रसार बढ़ाया है उसी प्रकार हमें भी जीवन में समावेशी बनते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी की विशेषताओं पर भी प्रकाश

डाला । संस्थान में प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के उपयोग की सराहना करते हुए उन्होंने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी हिंदी का उपयोग बढ़ाने पर बल दिया । संबोधन के अंत में उन्होंने सभी सहकर्मियों से हिंदी सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाले विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित होने का आह्वान किया। इससे पूर्व हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ अभिजीत कर्माकर ने संस्थान में सप्ताह पर्यन्त आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। बुधवार को 7 सितंबर से 13 सितंबर तक होने वाली हिंदी सप्ताह कार्यक्रम के दौरान आयोजित आशुभाषण प्रतियोगिता में नियमित सहकर्मी गुरविंदर सिंह ने प्रथम स्थान, मुरलीधर ने द्वितीय स्थान एवं महेंद्र, सुश्री दीपिका शर्मा ने तृतीय स्थान तथा सुश्री चांदनी दीक्षित ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में स्थाई कर्मी वर्ग में सुश्री प्रीति पाल ने प्रथम स्थान, नवीन कुमार शर्मा ने द्वितीय स्थान, अखिलेश मिश्रा ने तृतीय स्थान, सुश्री सुरभि बिदावत ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन के संयोजक रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने निदेशक डॉ पी सी पंचारिया एवं उपस्थित अधिकारियों व सहकर्मियों का स्वागत किया। सत्र के अंत में प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित किया। निर्णायक मंडल के सदस्यों डॉ उदित नारायण पाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक; श्री जय प्रकाश इंदौरा, वित्त एवं लेखा नियंत्रक तथा जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और विजेताओं को बधाई दी। प्रतियोगिता का संचालन जितेन्द्र नाथ बाजपेई, तकनीकी अधिकारी ने किया।